## विचार बिन्दु

**निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी**

# वरदान या अभिशाप: सावधानी ज़रूरी है!

आज मैं सुदूर दक्षिण कोरिया के एक प्रकरण को अपने पाठकों के सामने रख रहा हूं। ऐसा क्यों कर रहा हूं, इसकी चर्चा थोड़ा ठहर कर करूंगा। लगभग एक दशक से दक्षिणी कोरिया के शहर बुसान में सफलता और आनंद पूर्वक अध्यापन कर रही गा–युन (यह उनका असली नाम नहीं है) बहुत परेशान और अवसाद ग्रस्त हैं। वजह? किसी ने उनके चेहरे की तस्वीर एक नग्न देह पर लगाकर टेलीग्राम चैनल पर अपलोड कर दी। यह काम डीपफ़ेक तकनीक के माध्यम से किया गया। शिक्षिका का कहना है कि ''जब भी मेरे विद्यार्थी मुझे देखते तो मुझे लगता कि उन्होंने वह तस्वीर देखी है और उसी को चैक करने के लिए वे मेरी तरफ़ देख रहे हैं। मैं उनकी आंखों में नहीं देख सकती और अब उन्हें ठीक से पढ़ा भी नहीं सकती हूं।'' वे आगे कहती हैं, ''मैं बचपन से ही टीचर बनना चाहती थी, और मेरा सपना कभी नहीं बदला। लेकिन अब, अवसाद और चिंता के कारण मुझे दिन में पांच गोलियां लेनी पड़ती हैं। मैं अभी भी कमज़ोर महसूस करती हूं और मुझे लगता है कि बेहतर होने में कुछ और समय लगेगा।'' शिक्षिका सात महीने से मेडिकल लीव पर हैं।

यह दक्षिण कोरिया की अकेली घटना नहीं है। इससे पहले एक अन्य शिक्षिका के साथ भी वहां ऐसा ही हो चुका था। एक मैसेजिंगएप से उनकी तस्वीर ली गई और उनकी तथा एक अनजान आदमी की तस्वीर यौन क्रिया में लिप्त दो बंदरों के शरीर पर लगाकर एक अत्यंत आपत्तिजनक शीर्षक के साथ साझा कर दी गई। अगस्त 2024 में कोरियाई शिक्षक और शिक्षा कर्मचारी संघ ने एक सर्वेक्षण किया था जिसमें यह जानने का प्रयास किया गया था कि क्या शिक्षक और विद्यार्थी कभी अपनी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ के शिकार हुए हैं। इसके जवाब में 2492 मामले सामने आए थे। इन शिकारों में माध्यमिक, प्राथमिक और विशेष स्कूलों के ही नहीं, किंडरगार्टन तक के विद्यार्थी शामिल थे। कुल मिलाकर 517 लोग प्रभावित पाए गए जिनमें 204 शिक्षक, 304 विद्यार्थी और शेष स्कूलों के कर्मचारी थे। दक्षिण कोरिया में पुलिस के पास दर्ज होने वाले डीपफेक यौन अपराधों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। साल 2001 में यह संख्या केवल 156 थी जो 2024 में बढ़कर 1202 तक जा पहुंची थी। चौंकाने वाली बात यह है कि गिरफ्तार किए गए 682 लोगों में से 548 किशोर थे और इनमें 100 से अधिक तो 10 से 14 बरस की उम्र के ही थे। पिछले साल दिसंबर में वहां के शिक्षा मंत्रालय नेमिडिल और हाई स्कूलों के 2000 से अधिक विद्यार्थियों के बीच एक सर्वेक्षण किया था जिससे पता चला कि इनमें डीपफ़ेक से सम्बद्ध अपराधों के बारे में जानकारी का अभाव है। 54% विद्यार्थियों का कहना था कि ऐसा केवल मनोरंजन के लिए किया जाता है। बहुत सारे विद्यार्थियों ने कहा कि उन्हें तो यह अनुमान ही नहीं था कि ऐसा करना भी अपराध है!

इस विषय पर आगे चर्चा से पहले यह जान लेना उपयुक्त होगा कि आख़िरडीपफेक है क्या बला। डीपफ़ेक एक अत्याधुनिक आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (ए आई) तकनीक है। यह डीप लर्निंग के माध्यम से किसी भी फोटो, वीडियो या ऑडियो को इस तरह संपादित कर सकती है कि वह असल प्रतीत हो। इस तकनीक में किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज़ या हाव–भाव को किसी दूसरे व्यक्ति पर इस कुशलता से आरोपित कर दिया जाता है कि वह नकली निर्माण लगभग असली जैसा ही प्रतीत होता है। उदाहरण के लिए कहूं कि किसी बहुत जाने माने अभिनेता की आवाज़ को मेरे मुंह से निकलता हुआ दर्शाया जा सकता है या मेरा चेहरा किसी बड़े नेता के धड़ पर अत्यंत कुशलतापूर्वक चिपकाया जा सकता है। डीपफ़ेक के लिए जनरेटिव एडवर्सेरियल नेटवर्क्स (GANs) नामक तकनीक का उपयोग किया जाता है। इस तकनीक का सफलतापूर्वक और सार्थक उपयोग अनेक क्षेत्रों में किया जाता है। फ़िल्म उद्योग में पुरानी फिल्मों को पुनः प्रस्तुत करने में और अभिनेताओं को युवा और अधिक आकर्षक दिखाने में इस तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया जाने लगा है। इसी तरह दिवंगत ऐतिहासिक व्यक्तित्वों को सजीव करके अध्यापन को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। विज्ञापनों की दुनिया में विशेष प्रभाव उत्पन्न करने में यह तकनीक अत्यधिक उपयोगी है।

**भारत जैसे देश में मुझे पहली ज़रूरत तो यह लगती है कि हम लोगों को और विशेष रूप से युवा पीढ़ी को तकनीक के दुरुपयोग के ख़तरों के बारे में पर्याप्त जानकारी और प्रशिक्षण दें। उनसे इसके दुष्परिणामों के बारे में खुलकर चर्चा करें। दूसरी बात यह कि हम भी अपने सामने आई हर चीज़ को जांचना-परखना सीखें और जल्दबाज़ी में उसे प्रचारित करने की अपरिपक्वता से बचें।**

लेकिन इन कुछ सकारात्मक बातों के साथ–साथ इस तकनीक के दुरुपयोग के भी अनेक प्रकरण सामने आ चुके हैं। दक्षिण कोरिया के जिस प्रकरण से हमने अपनी चर्चा शुरु की उसी को आगे बढ़ाते हुए यह भी कहा जाना ज़रूरी है कि झूठी ख़बरों को फैलाने और भ्रामक एवं किसी को क्षति पहुंचाने वाली जानकारी रचने और उसे फैलाने में यह तकनीक इस्तेमाल की जाने लगी है। राजनीति में इस तकनीक का दुरुपयोग आम हो चला है। ऐसे कुछ उदाहरण हम आगे चलकर देखेंगे। वैयक्तिक स्तर पर फ्रॉड करके आर्थिक क्षति पहुंचाने और ब्लैकमेलिंग में इस तकनीक के इस्तेमाल के उदाहरण तो हम आए दिन ख़बरों के माध्यम से जानने लगे हैं। यह याद किया जा सकता है कि बहुत पहले, सन् 2018 में बराक ओबामा का एक नकली वीडियो ज़ारी हुआ था जिसमें उनके मुंह से ऐसी कुछ बातें सुनने को मिली थी जो उन्होंने कही ही नहीं थी। यह वीडियो एक कॉमेडियन जॉर्डन पीले ने बनाया था और वे इसमें हूबहू ओबामा की आवाज़ रचने में कामयाब रहे थे। इसके अगले बरस इस तकनीक के शिकार बने मार्क ज़ुकरबर्ग। उनसे कहलवाया गया (जो असल में उन्होंने कभी नहीं कहा) कि ''जो भी फ़ेसबुक का इस्तेमाल करता है उसकी सारी जानकारी मेरे पास है।'' सन् 2021 में प्रख्यात अभिनेता टॉमक्रूज़ के अनेक डीपफ़ेक वीडियो सामने आए। सन 2022 में रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की का एक डीपफेक वीडियो सामने आया था जिसमें उन्हें यूक्रेन की सेना को आत्म समर्पण करते हुए बताया गया था। बाद में यूक्रेन सरकार ने आरोप लगाया कि यह वीडियो रूस द्वारा बनाया गया था। और हम भारतीय इस बात को क्यों न याद करें कि अरविंद केजरीवाल का एक डीपफ़ेक वीडियो ज़ारी हुआ था जिसमें वे भाजपा के समर्थन में कुछ कह रहे थे। राजनीतिक दलों के वेतनभोगी कर्मचारी और उनके अवैतनिक उत्साही समर्थक आजकल अपने प्रतिपक्षी को क्षति पहुंचाने के लिए इस तरह के काम खूब करने लगे हैं और इनसे शायद ही कोई बच पाता हो। इनकी वजह से बहुत बार सबसे तेज़ ख़बर का दावा करने वाले सूचना तंत्र को लज्जित भी होना पड़ता है। जिसे वे ब्रेकिंग न्यूज़ बता कर अपनी पीठ थपथपाते हैं वही कुछ दिनों के बाद डीपफ़ेक की रचना के रूप में जानी जाती है तो उन्हें लज्जित तो होना ही है।

और अब वह बात, जिसे मैंने बाद के लिए स्थगित रखा था। यह सवाल कि आखिर क्यों मैं दक्षिण कोरिया की इस घटना को इतनी अहमियत दे रहा हूं। मेरा कहना यह है कि आज सारी दुनिया एक वैश्विक गांव में बदल चुकी है और अब जो एक जगह घटित होता है उसे दूसरी जगह घटित होने में देर नहीं लगती है। वैसे भी जो दक्षिण कोरिया में हुआ है उसकी आहटें हम अपने देश में सुनने ही लगे हैं। तकनीक अब सर्व सुलभ होने लगी है और नई पीढ़ी पिछली पीढ़ी की तुलना में तकनीक के प्रयोग में बहुत अधिक दक्ष भी है। ऐसे में किसी भी तकनीक से होने वाले लाभ और उससे मिलने वाली सुविधाओं के साथ–साथ उसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी बहुत तेज़ी से बढ़ती जा रही हैं। इस समस्या का समाधान यह तो नहीं हो सकता कि हम तकनीक से किनारा कर लें। तकनीक अब हमारे लिए अपरिहार्य है। हमें देखना यह होगा कि उसका दुरुपयोग कम से कम हो और अगर हो जाए तो हम उसके दुष्प्रभाव से कैसे बचें! भारत जैसे देश में मुझे पहली ज़रूरत तो यह लगती है कि हम लोगों को और विशेष रूप से युवा पीढ़ी को तकनीक के दुरुपयोग के ख़तरों के बारे में पर्याप्त जानकारी और प्रशिक्षण दें। उनसे इसके दुष्परिणामों के बारे में खुलकर चर्चा करें। दूसरी बात यह कि हम भी अपने सामने आई हर चीज़ को जांचना–परखना सीखें और जल्दबाज़ी में उसे प्रचारित करने की अपरिपक्वता से बचें। इधर वॉट्सएप पर लोग बिना जांचें परखें इधर की सामठी को उधर ठेलने का जो उत्साह दिखाते हैं उस पर नियंत्रण की ज़रूरत है। यह काम भी शिक्षा और जागरूकता के प्रसार से ही सम्भव हो सकता है। समझने की बात यह है कि तकनीक तो आ गई है और हमें उसका बहिष्कार भी नहीं करना है। लेकिन इस बात का ध्यान रखना है कि हम उसका इस्तेमाल करें, और इतने सावधान रहें कि वह हमारा इस्तेमाल न करने लग जाए।

**–अतिथि संपादक,**
**डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल**
**( शिक्षाविद और साहित्यकार**

# खाटू नरेश बाबा श्याम की सवारी के लिए डेढ़ करोड़ की लागत का भव्य रथ तैयार

- **बीकानेर के नोखा में तैयार किया रथ खाटू श्याम मंदिर पहुंच चुका है, दानदाता का नाम गुप्त रखा गया है**
- **खाटू श्यामजी में फाल्गुनी एकादशी पर बाबा इसी रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देंगे**

**नोखा,** (निसं)। खाटू नरेश बाबा श्याम की सवारी के लिए 125 किलो चांदी से रथ बनाया गया है। सोमवार को फाल्गुनी एकादशी पर बाबा इसी रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देंगे। बीकानेर के नोखा में करीब डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से भव्य रथ तैयार किया गया है। इसके निर्माण में एक महीने से ज्यादा का समय लगा है। रथ खाटू श्याम मंदिर पहुंच चुका है। फाल्गुन एकादशी को श्याम मंदिर से सुबह रथ यात्रा रवाना होगी। यात्रा प्राचीन श्याम कुंड, अस्पताल चौराहा, पुराना बस स्टैंड से होकर मुख्य बाजार कबूतर चौक पहुंचेगी, जहां रथ यात्रा समाप्त होगी।

नोखा सिल्वर वर्क्स के रामगोपाल चांडक और सुनील राहड़ ने बताया कि प्रतिदिन आठ मजदूरों ने काम करके इसे एक महीने में नोखा में ही तैयार किया है। दानदाता का नाम गुप्त रखा गया है। इस प्रकार का विशेष रथ बाबा श्याम की सवारी के लिए बनाया गया है, जो उनके भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। रथ को नोखा से सात मार्च को रवाना किया गया था, जो आठ मार्च को खाटू श्याम पहुंच चुका है। सीकर के खाटू श्याम मंदिर में श्याम धणी सरकार इस बार एकादशी को चांदी से तैयार हुए रथ पर विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे। रथ को धक्का नहीं लगाना पड़े इसके लिए जीप की बॉडी पर इसे तैयार किया गया है। जानकारी के अनुसार पिछले मेले के दौरान रथ के पहिए निकलने से समस्या आ रही थी। रथ भी काफी पुराना हो गया था।

जानकारी के अनुसार एंटीक आइटम बनाने के लिए चांदी को 962 से 1250 डिग्री सेल्सियस तक पिघलाया जाता है। इस प्रक्रिया में एक बार में 30 किलो चांदी के आइटम तैयार किए जा सकते हैं। पिघली हुई चांदी को ठंडा करने के लिए पानी में डाला जाता है। चांदी को पिघलाने के बाद पात मशीन में डालकर शीट तैयार की जाती है, जिसमें करीब 3 से 4 घंटे लगते हैं। इस शीट को बर्तनों के आकार के अनुसार डाई और हाथ से शेप दी जाती है। इसके बाद हाइड्रोलिक प्रेस मशीन में 10 मिनट से एक घंटे तक प्रोसेस किया जाता है। बफ पॉलिशिंग से ही आभूषणों और एंटीक आइटमों की चमक बढ़ती है, इसलिए इस प्रक्रिया में सबसे ज्यादा समय लगता है। पॉलिशिंग के बाद आइटम फैक्ट्री के शोरूम से होते हुए दुकानों तक पहुंचते हैं।

# रेलवे बोर्ड के महानिदेशक ( संरक्षा ) ने जोधपुर का दौरा किया

- **मंडल रेल प्रबंधक तथा विभागाध्यक्षों के साथ रेल संरक्षा को सुदृढ़ करने और संरक्षा कार्यों पर चर्चा की**

**जोधपुर,** (कासं)। उत्तर–पश्चिम रेलवे जोधपुर रेल मंडल पर हरिशंकर वर्मा, महानिदेशक (संरक्षा), रेलवे बोर्ड ने रविवार को मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह तथा विभागाध्यक्षों के साथ रेल संरक्षा को सुदृढ़ करने और संरक्षा कार्यों पर विस्तृत चर्चा की।

हरिशंकर वर्मा, महानिदेशक (संरक्षा), रेलवे बोर्ड ने जोधपुर स्टेशन परिसर पर मंडल के विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक में भाग लिया। बैठक में महानिदेशक (संरक्षा), रेलवे बोर्ड ने कहा रेल संचालन में संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और संरक्षा में कोई भी कोताही नहीं करनी चाहिए तथा भविष्य में और बेहतर कार्यनिष्पादन के लिए दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग से हमारी संरक्षा को मजबूती मिली है। महानिदेशक ने संरक्षा को प्राथमिकता पर रखते हुए सतर्कता और सजगता से कार्य करने और रेल सचांलन पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने क्रू लाबी, क्रू रेस्ट रूम, काउन्सिलिंग रूम, जोधपुर रेल मंडल के रनिंग स्टाफ के लिए उपलब्ध एकीकृत क्रू मॉनिटरिंग सिस्टम सॉफ्टवेयर का निरीक्षण किया।

डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि रनिंग स्टाफ के लिए एकीकृत सिस्टम को मंडल के क्रू लॉबी, रनिंग रूम में उपलब्ध कराया गया है, इस प्लेटफार्म के अन्तर्गत मॉनिटरिंग डैशबोर्ड, रोकथाम और परामर्श, अध्ययन और मूल्यांकन के लिए प्रश्न बैंक, प्रमुख यार्ड सिम्युलेटर, लर्निंग रोड मॉड्यूल, ज्ञान केंद्र, क्विज आधारित काउन्सिल, (रनिंग रूम प्रबंधन प्रणाली), रिपोर्ट्स इत्यादि उपलब्ध हैं। निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए और उपयोगी प्रयास के लिए डेवलपमेंट टीम की बहुत प्रशंसा की एवं इसमें ओर बेहतर सुधार हेतु कुछ बहुमूल्य सुझाव दिए तथा अपने अनुभव अन्य मंडलों को साझा करने के निर्देश दिए। लोको पायलटों से संवाद के दौरान ट्रेन संचालन में संरक्षा की उपयोगिता एवं लोको पायलट की भूमिका को इंगित किया। उन्होंने सहायक लोको पायलट और लोको पायलटो से संवाद करते हुए कहा कि ट्रेन को अपेक्षित गति के साथ चलाना चाहिए, जिससे सेफ्टी और समयपालनता दोनों बनी रहे।

उत्तर–पश्चिम जोधपुर रेल मंडल के एकीकृत क्रू लोको लॉबी के निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने संरक्षा और कार्यकुशलता से जुड़े कार्यों का निरीक्षण किया जहां उन्होंने संरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा उनके बेहतर कार्यनिष्पादन एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महानिदेशक ने 50 हजार रूपए का पुरस्कार घोषित किया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक राकेश कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (पावर) जोगेंद्र मीना, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय मनोहर सिंह, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार और वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी मुकेश मीणा सहित स्टेशन अधीक्षक व सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

# प्रवासी माहेश्वरी सम्मेलन में शोभायात्रा निकाली

**जैसलमेर,** (नि.सं.)। अखिल भारतीय जैसलमेर प्रवासी माहेश्वरी सम्मेलन की शोभायात्रा रविवार सुबह माहेश्वरी बेरा एवं गड़ीसर के श्रीकृष्ण श्रीमाली चौराहा से प्रारम्भ हुई। शोभायात्रा चाचा पाड़ा, मोहता पाड़ा के समीप से होते हुए गुलास्तला रोड, आसनी रोड, गांधी चौक, हनुमान चौराहा होते हुए अधिवेशन स्थल जवाहर निवास होटल पहुंची। सम्पूर्ण मार्ग में जैसलमेरवासियों ने भव्य स्वागत किया। शोभायात्रा में आगे आगे हाथी चल रहा था उसके बाद बघियों में शिव पार्वती, जगनन्नाथ, राम जानकी हनुमान एवं अनेक देवताओं की झंकियों के पश्चात् चुनरी की साड़ी पहने हजारों महिलाएं एवं बालिकाएं जैसलमेरी पगड़ी एवं सफेद कुर्ता पाजामा पहने पुरुष एवं युवा भगवान महेश का जय घोष करते चल रहे थे। जिला प्रशासन का बेहतरीन सहयोग रहा। शोभायात्रा की झंकियों में भाग लेने वालों को स्मृति चिन्ह संयोजक परमानन्द राठी के हाथों वितरित किए गए। स्थानीय वरिष्ठ नागरीक किशनलाल भाटिया ने बताया कि ऐसी शोभायात्रा उन्होंने अपने 80 वर्षीय जीवन काल में पहली बार देखी।

# सफाई अभियान चलाकर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिय

- **ग्रामीणों को गांव को साफ बनाए रखने के लिए सहयोग की आवश्यकता जताई**

**सादुलपुर,** (निसं)। तहसील के ग्रामीण क्षेत्र सिधमुख सांखू, नुहन्द व हरपालु में स्वच्छ भारत मिशन योजना अंतर्गत जिला कलेक्टर के दिशा निर्देशानुसार रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा सफाई कर ग्रामीणों को अभियान अंतर्गत स्वच्छता का संदेश दिया गया।

पंचायत समिति विकास अधिकारी राजेंद्र जोईया के सानिध्य एवं देखरेख में सफाई अभियान चलाया गया, जल भराव क्षेत्र का चिन्हीकरण कर सफाई कार्य शुरू किया गया। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर पंचायत समिति विकास अधिकारी राजेन्द्र जोईया ने ग्रामीणों को स्वच्छ भारत मिशन योजना अंतर्गत जानकारी दी तथा गांव को साफ सुथरा बनाए रखने के लिए सहयोग की आवश्यकता जताई। ग्रामीण क्षेत्र के सफाई अभियान में गांव के बाहर कूडे के ढेर, मैन चौक सडक व मंदिर परिसर आदि जगहों की साफ–सफाई की गई। इस दौरान विधायक मनोज न्यांगली ने कहा कि स्वच्छता में ही भगवान है। हम अपने आसपास गली मोहल्ले सार्वजनिक स्थल आदि की सफाई की जिम्मेदारी हम सब की बनती है। उन्होंने बताया कि हम सफाई के प्रति ध्यान रखेंगे तो गांव स्वच्छ रहेंगे एवं बीमारियों से मुक्ति मिलेगी। इस दौरान जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी, पंचायत समिति प्रधान, विधायक सहित सरपंच एवं ग्रामीण मौजूद थे।

# महिला सशक्तिकरण में युनैस्को की भूमिका सराहनीय है : विधायक कोठारी

- **स्टेट फेडरेशन ऑफ युनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान, जवाहर फाउण्डेशन तथा भारतीय जैन संगठना द्वारा ''महिला शक्ति सम्मान'' समारोह का आयोजन**

समारोह में युनैस्को ने 121 महिलाओं का सम्मान किया।

**भीलवाड़ा,** (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोटा रोड़ स्थित यश विहार में स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान, जवाहर फाउण्डेशन तथा भारतीय जैन संगठना द्वारा ''महिला शक्ति सम्मान'' समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की 121 महिलाओं सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करने वाली महिलाओं व छात्राओं का भी विशेष अभिनन्दन किया गया।

जिला यूनेस्को एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित अग्रवाल ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक अशोक कोठारी थे। वहीं समारोह की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने की। मुख्य अतिथि कोठारी ने समारोह में उपस्थित महिला शक्ति को प्रेरित कर कहा कि हमारे देश व समाज में परिवर्तन के लिए महिलाओं को अपने से संबंधित मुद्दों पर अपनी जिम्मेदारी समझकर आगे आना होगा, साथ ही मिलकर कार्य करना होगा। महिला सशक्तिकरण में यूनेस्को की भूमिका सराहनीय है। भाजापा जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने महिलाओं को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी व अधिक से अधिक लाभ लेने को कहा। माताएं–बहनें अपने बच्चों को संस्कारित कर समाज को अनमोल सेवायें प्रदान कर रही है। साथ ही अधिकारों का दुरूपयोग न करने की सलाह देते हुए कहा कि महिलाएं आत्म विश्वास को मजबूत रखे, बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करें तथा महिला सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं को रोकने के लिए परिवार में बच्चों को सकारात्मक प्रेरणा दे। स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के प्रदेश संयोजक गोपाल लाल माली ने महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी व कहा कि महिलाओं के आगे बढ़ने से ही देश ही उन्नित संभव है। यूनेस्को एसोसिएशन महिला सशक्तिकरण हेतु सदैव कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज देश में किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। सभी महिलाओं को प्रेरणा लेकर देश की सेवा में आगे आना चाहिए। समारोह को जवाहर फाउण्डेशन के प्रभारी रजनीश वर्मा, बीजेएस के जिलाध्यक्ष अनिल कोठारी, संरक्षक आरएल टुकलिया, जिला यूनेस्को एसोसिएशन के अध्यक्ष चेतन मानसिंहका, जवाहर फाउण्डेशन के लोकेन्द्र पण्डिया सहित कई वक्ताओं ने भी संबोधित किया।

सम्मान समारोह से इण्डस वेली स्कूल, सोशल क्लब क्रू द्वारा महिला सशक्तिकरण पर नाटक मंचन के द्वारा प्रस्तुतियां पेशकर महिला सम्मान अधिकारों के बारे में बताया। साथ ही जोगन डांस एकेडमी द्वारा महाभारत थीम पर प्रस्तुतियां दी गई, जिससे उपस्थित महिलाओं का उत्साह देखते ही बनता था। समारोह में शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, सामाजिक संगठनों, सरकारी विभागों सहित खेल–कूद व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही 121 महिला प्रतिभागियों का अतिथियों द्वारा मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनका विशेष सम्मान किया।

## राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

**सोमवार 10 मार्च, 2025**

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2081, पुष्य नक्षत्र रात्रि 12:51 तक, शोभन योग दिन 1:52 तक, विष्टि करण प्रातः 7:45 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–मिथुन, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 12:51 तक है। आज भद्रा प्रातः 7:45 तक है। आज आमला एकादशी व्रत, रंगभरी ग्यारस है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** अमृत सूर्योदय से 8:14 तक, शुभ 9:42 से 11:04 तक, चर 2:05 से 3:33 तक, लाभ–अमृत 3:33 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:46, सूर्यास्त 6:29

### मेष
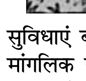

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों/आय में वृद्धि होगी।

### वृष
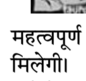

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मिथुन
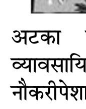

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

### कर्क
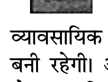

नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव दूर होगा।

### सिंह
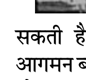

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। मन में असंतोष बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

### कन्या
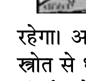

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

### तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा।

### वृश्चिक

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

### मकर

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

### कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### मीन
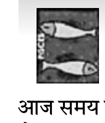

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।